

**राष्ट्रीय शिक्षा नीति
2020**
रचनात्मक सुधारों की ओर

संपादक
पंकज अरोड़ा • उषा शर्मा



चिर प्रतीक्षित राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का आगमन अपने साथ अनेक संभावनाओं, चुनौतियों और समाधानों का 'पिटारा' भी लेकर आया है, जिन्हें संज्ञान में रखा जाना अनिवार्य है। इस नीतिगत दस्तावेज की सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इसने समस्त महत्वपूर्ण बिंदुओं को एक धरोहर की तरह सँजोने का प्रयास किया है। प्रयास इस बात का भी है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में स्कूली शिक्षा और उच्च शिक्षा के बारे में जो गहन चिंतन हुआ है, उसे 'जमीनी हकीकत' में परिवर्तित किया जाए। नीतिगत बिंदुओं का क्रियान्वयन स्वयं में जटिल तो है ही, लेकिन साथ ही वह इस बात की भी अपेक्षा करता है कि विषयगत अवधारणाओं को स्पष्ट रूप से समझ लिया जाए। प्रस्तुत पुस्तक के समस्त अध्याय एक ओर शिक्षा से जुड़ी विषयगत अवधारणाओं को स्पष्ट करते हैं, उसकी ऐतिहासिक यात्रा का विस्तृत वर्णन करते हैं तो साथ ही दूसरी ओर राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की अनुशंसाओं का विश्लेषण भी करते हैं। विश्लेषण के उपरांत नीतिगत अनुशंसाओं के क्रियान्वयन का मार्ग भी प्रशस्त करते हैं।

पुस्तक के विभिन्न अध्यायों के रचयिता अपने-अपने ज्ञान-क्षेत्र के अनुभवी विषय-विशेषज्ञ, शिक्षाविद् हैं और उनकी विद्वता से शिक्षा जगत सदैव ही लाभान्वित हुआ है। सभी विषय-विशेषज्ञों ने विषय की बारीकियों को जिस तरह से विश्लेषित किया गया है, वह पुनः चिंतन के आयामों को उदघाटित करता है।

प्रोफेसर पंकज अरोड़ा केंद्रीय शिक्षा संस्थान, दिल्ली विश्वविद्यालय में पिछले 24 वर्षों से अध्यापन एवं शोध कार्य कर रहे हैं। वर्तमान में आप जीवनपर्यन्त शिक्षण संस्थान, दिल्ली विश्वविद्यालय के निर्देशक का कार्यभार भी संभाल रहे हैं।

प्रोफेसर उषा शर्मा, एनसीईआरटी, नई दिल्ली कक्षा एक को पढ़ाते हुए अध्यापकीय जीवन का लगभग 19 वर्षों का अनुभव रखती हैं। बाल पत्रिका 'फिरकी बच्चों की' और शोध-पत्रिका 'प्राथमिक शिक्षक' की शैक्षणिक संपादक हैं। वर्तमान में आप राष्ट्रीय साक्षरता केंद्र प्रकोष्ठ, एनसीईआरटी, के प्रभारी का कार्यभार भी संभाल रही हैं।

**शिप्रा पब्लिकेशन्स**

एल जी 18-19, पंकज सेंट्रल मार्केट
आई.पी. एक्सटेंशन, पटपड़गंज, दिल्ली-110092, भारत
दूरभाष: +91 11 2223 5152 / 6152, 9650028065
ई-मेल: info@shiprapublication.com
www.shiprapublication.com

ISBN 978-93-91978-09-9



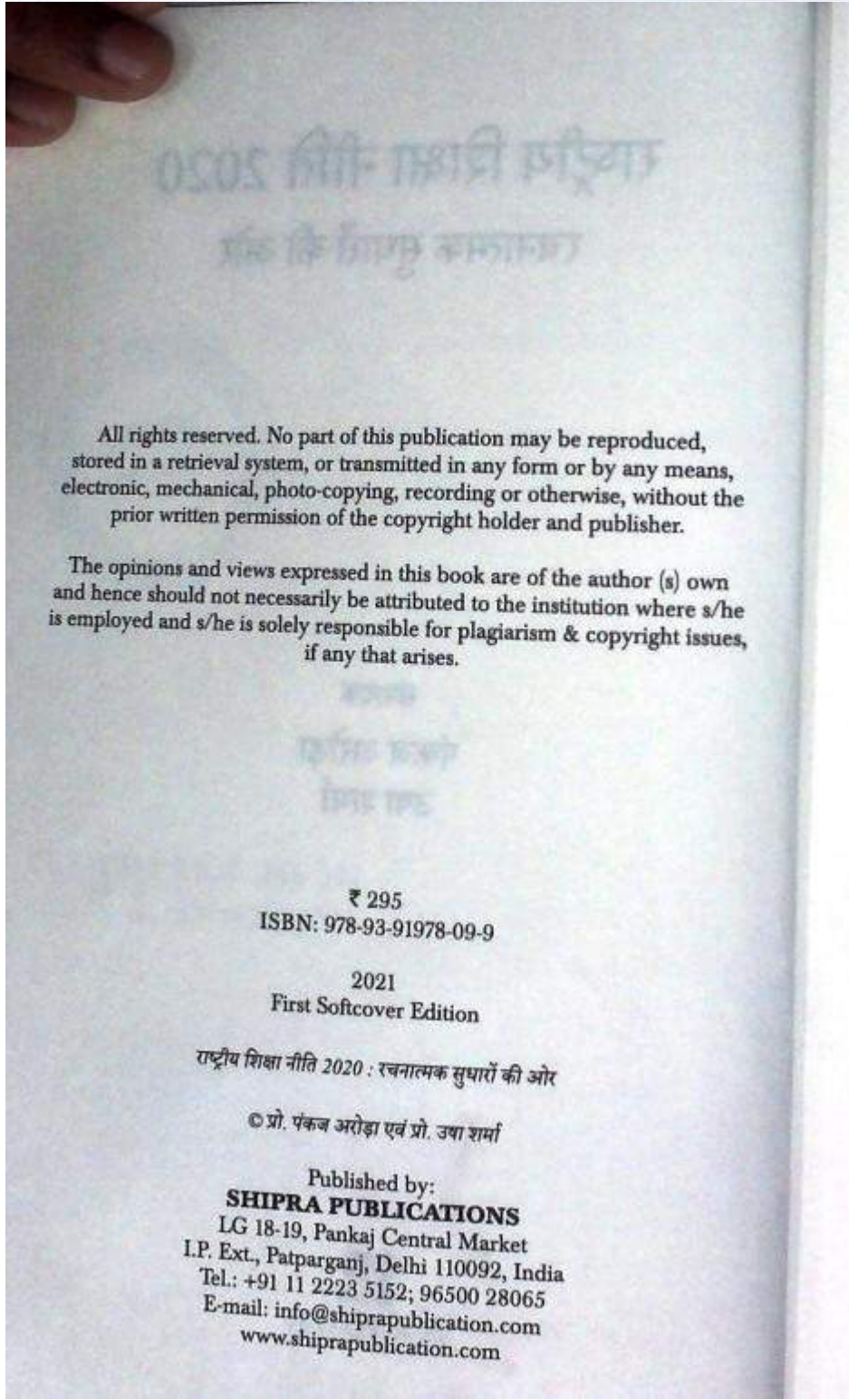
9 789391 978099

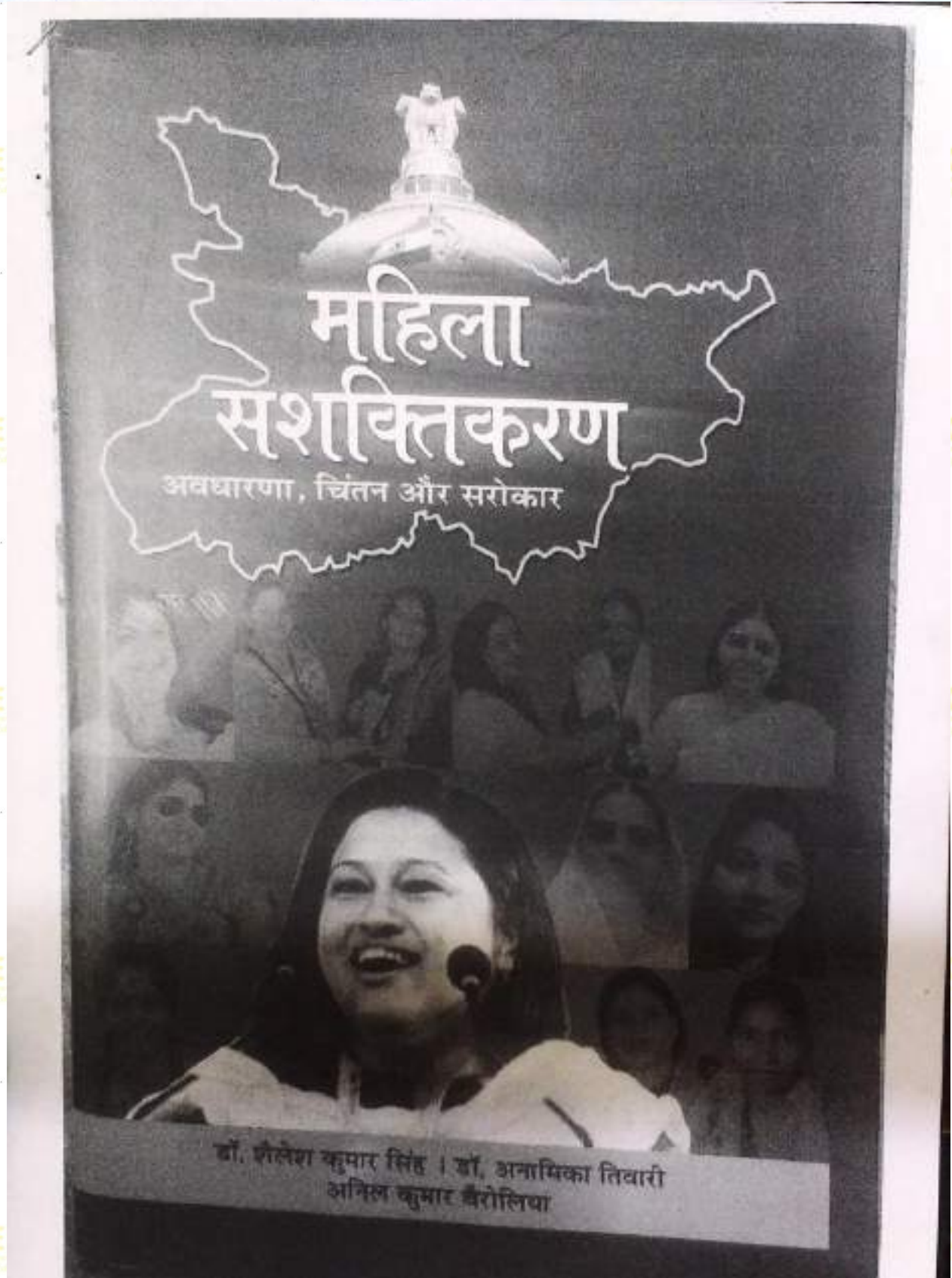
₹ 295

Maitreya College of Education & Management

Shaping Education

Affiliated to Aryabhata Knowledge University, Patna





महिला सशक्तिकरण: अवधारणा, चिंतन और सरोकार

डॉ. शैलेश कुमार सिंह

डॉ. अनामिका तिवारी

अनिल कुमार बैरोलिया

सम्पादक ©

प्रथम संस्करण, 2022

ISBN: 978-93-92108-47-1

इस पुस्तक के किसी भी अंश को किसी भी माध्यम में प्रयोग करने के लिए सम्पादक और प्रकाशक से लिखित अनुमति लेना अनिवार्य है। इस पुस्तक में लेखक के अपने विचार और सामग्री हैं। इसका सम्पादक और प्रकाशक से कोई संबंध नहीं है।

भारत में प्रकाशित

रुद्र पब्लिशर्स एण्ड डिस्ट्रीब्यूटर्स

सी 293ए, गली न० 3, वेस्ट करावल नगर, नई दिल्ली- 110094

मोबाईल नं. +91-9312442975 ई-मेल. rudrapublishers@yahoo.com

8

महिला अधिकारों के प्रति महिलाओं की जागरूकता एवं उनके सशक्तिकरण के मध्य संबंध

अजय कुमार सिंह

सारांश

एक महिला को शिक्षित करने का अर्थ एक परिवार एवं समाज को शिक्षित करना है। क्योंकि समाज का निर्माण इन्हीं परिवारों से मिलकर होता है। 21वीं सदी वैचारिक क्रांति का युग है। इसके कारण समाज में नए क्रांतिकारी परिवर्तन हो रहे हैं। ऐसे समाज में यदि स्त्री की शिक्षा-दीक्षा का उत्तम प्रबंधन नहीं होगा तो वह समाज और राष्ट्र को आदर्श सदस्य कैसे दे सकती है? क्योंकि महिला ही प्रत्येक बच्चे की प्रथम शिक्षिका व प्रेरणास्रोत होती है। इसलिए स्त्री को शिक्षित समझदार, जागरूक, अधिकार सम्पन्न, शक्ति सम्पन्न, व्यवहार कुशल, विवेकवान एवं स्वस्थ होना जरूरी है। और यह शिक्षा, जागरूकता एवं अधिकारों से ही संभव है। ऐसे समाज में जहां स्त्री की स्थिति सामाजिक, राजनीतिक एवं आर्थिक आधारों पर कमतर होगी तो वह समाज एवं देश के विकास में अपना योगदान कैसे दे पाएगी। यह एक ज्वलंत प्रश्न के रूप में हमारे समक्ष उपस्थित है। जहां देश की 49: लगभग आबादी का प्रतिनिधित्व करनेवाली आधी आबादी यदि अधिकार सम्पन्न एवं जागरूक नहीं होगी तो नए भारत का निर्माण करने में सक्षम कैसे होगी, जो अपनी आवश्यकताओं के लिए जीवन की सभी अवस्थाओं में दूसरे पर निर्भर है।

प्रस्तावना :- सभी समाज की केंद्रीय धुरी महिलाएं हैं। महिलाएं परिवार एवं समाज के उत्थान में प्राचीन काल से अबतक निरंतर लगी रही हैं। महिलाओं के इन योगदान को कोई भी समाज नकार नहीं सकता। परंतु इन योगदानों का श्रेय एवं सम्मान इन्हें नहीं प्राप्त हुआ। दीर्घकालिक सामाजिक, सांस्कृतिक एवं राजनीतिक पृष्ठभूमि की प्रक्रिया में महिलाओं की अपनी सामाजिक, आर्थिक एवं राजनीतिक स्थिति समय के साथ कमजोर होता चला गया। इससे इनकी हैसियत समाज की नजरों में कम होती गयी।

महिलाओं के लिए डॉ० बी० आर० अंबेडकर के विचार - भारतीय नारी भ्रम से नहीं घबरती, किन्तु आंसुओं की चिंता करते हुए वह रोती, असमान व्यवहार

शोध विद्यार्थी (बी.एड.सकाय), वीरबहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर (उत्तर प्रदेश)



भारतीय भाषा समिति
(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार)
तथा
मैत्रेय कॉलेज ऑफ एजुकेशन एण्ड मैनेजमेंट
(आर्यभट्ट ज्ञान विश्वविद्यालय, पटना से संबद्ध)
के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित

दो दिवसीय संगोष्ठी

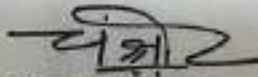
भारतीय भाषाओं में विद्यालयी शिक्षा तथा बहुभाषी शिक्षक का निर्माण
13-14 नवम्बर, 2022

प्रमाण पत्र

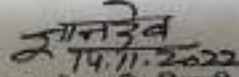
प्रमाणित किया जाता है कि **डॉ. निककी कुमारी**

MCEM, Hajipur

ने
दिनांक 13 एवं 14 नवम्बर, 2022 को आयोजित भारतीय भाषाओं में विद्यालयी शिक्षा तथा
बहुभाषी शिक्षक का निर्माण विषयक संगोष्ठी में **विद्यालय स्तर पर बहुभाषी**
शिक्षण आदिगम के लिए शिक्षकों का प्रशिक्षण शीर्षक शोध आलेख प्रस्तुत किया।



डॉ. चंदन श्रीवास्तव
शैक्षिक सहायक
भारतीय भाषा समिति



प्रो. ज्ञानदेव मणि त्रिपाठी
कार्यक्रम सहायक एवं प्राध्यापक
एम.सी.ई.एम.

आयोजन स्थल :- मैत्रेय कॉलेज ऑफ एजुकेशन एण्ड मैनेजमेंट, हाजीपुर





Maitreya College of Education & Management

Shaping Education

Affiliated to Aryabhata Knowledge University, Patna

UGC-RUSA 2.0 Sponsored Two-Day International Seminar
Organised by
Centre for Studies in Cultural Diversity and Wellbeing
Jadavpur University
in collaboration with
Department of Political Science, Sidho-Kanho-Birsha University
Department of Bengali
Dr. Shyama Prasad Mukherjee University, Ranchi, Jharkhand
and
Byanjanbarna Foundation, Kolkata
On
Emerging Scenario of Folk Culture in Rural Bengal : A Critical Enquiry
11th and 12th of February, 2020 Time: 10:30A.M.-5:30 P.M.
Venue: Seminar Hall, Department of Political Science, Sidho-Kanho-Birsha University, Parulda, West Bengal, India

This is to certify that Dr. K.K. Kumari
of Singhania University, Rajasthan Participated/Presented Paper titled
ग्रामीण बिहार के लोककला एवं लोकगीत
in the above mentioned Seminar.

 Dr. Anirban Sahu Assistant Professor & Head Department of Bengali Dr. Shyama Prasad Mukherjee University	 Dr. Gouri Sankar Nag Professor & Head Department of Political Science Sidho-Kanho-Birsha University	 Dr. Muklpadra Sinha Joint Co-Ordinator Centre for Studies in Cultural Diversity and Wellbeing, Jadavpur University	 Prof. Manojit Mandal Joint Co-Ordinator Centre for Studies in Cultural Diversity and Wellbeing, Jadavpur University	 Dr. Debanrita Biswas Secretary Byanjanbarna Foundation
---	--	---	---	--

Sponsored with Grant No. 17/1-2019/1

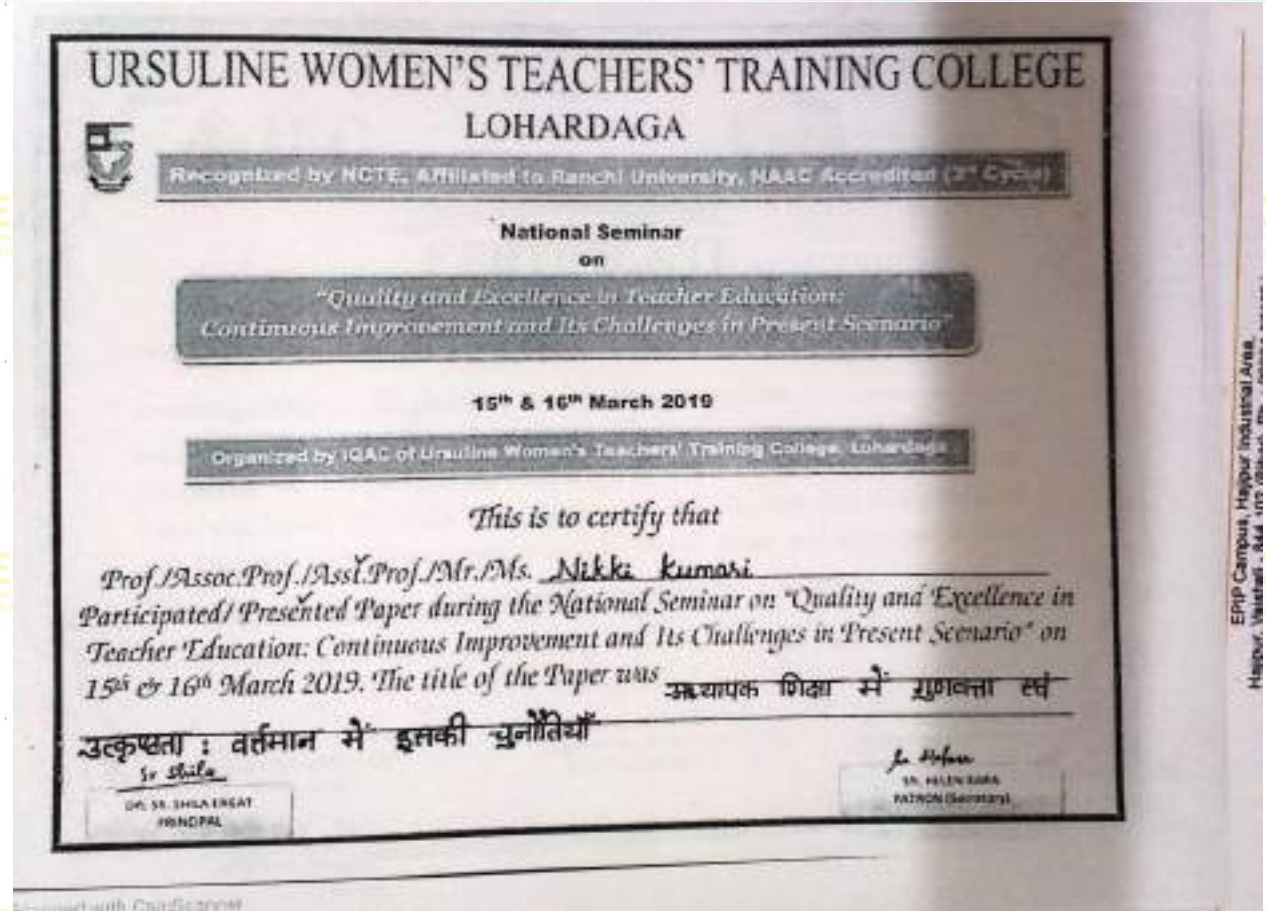
Hajipur, Vaishali - 844 102 (Bihar), Ph. : 06224-271834
 e-mail : admin@maitreyaedu.co.in, Web : www.maitreyaedu.co.in



Maitreya College of Education & Management

Shaping Education

Affiliated to Aryabhata Knowledge University, Patna



Maitreya College of Education & Management

Shaping Education

Affiliated to Aryabhata Knowledge University, Patna



MCEM-BSS/SEMR/ 53./2022

 **MCEM**
Maitreya College of Education & Management
Shaping Education

 **भारतीय भाषा समिति**
भारतीय भाषा समिति
भारतीय भाषा समिति

 अर्यभट्ट ज्ञान विश्वविद्यालय
ARYABHATTA KNOWLEDGE UNIVERSITY

भारतीय भाषा समिति
(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार)
तथा
मैत्रेय कॉलेज ऑफ एजुकेशन एण्ड मैनेजमेंट
(आर्यभट्ट ज्ञान विश्वविद्यालय, पटना से संबद्ध)
के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित
दो दिवसीय संगोष्ठी
भारतीय भाषाओं में विद्यालयी शिक्षा तथा बहुभाषी शिक्षक का निर्माण
13-14 नवम्बर, 2022

प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि **अबोध चंद्र माहतो**
MCEM, Hajipur ने
दिनांक 13 एवं 14 नवम्बर, 2022 को आयोजित भारतीय भाषाओं में विद्यालयी शिक्षा तथा
बहुभाषी शिक्षक का निर्माण विषयक संगोष्ठी में **मातृभाषा में शिक्षा और**
बच्चों का संज्ञानात्मक विकास शीर्षक शोध आलेख प्रस्तुत किया।


डॉ. चंदन श्रीवास्तव
शैक्षिक सहायक
भारतीय भाषा समिति


14.11.2022
प्रो. ज्ञानदेव मणि त्रिपाठी
कार्यक्रम सहायक एवं प्राचार्य
एम.सी.ई.एम.

आयोजन स्थल :- मैत्रेय कॉलेज ऑफ एजुकेशन एण्ड मैनेजमेंट, हाजीपुर

MCEM-BSS/SEMR/5.6/2022

 MCEM
Maitreya College of Education & Management
Shaping Education

 भारतीय भाषा समिति
भारतीय भाषा समिति
भारतीय भाषा समिति

 अर्यभट्ट ज्ञान विश्वविद्यालय
ARYABHATTA KNOWLEDGE UNIVERSITY

भारतीय भाषा समिति
(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार)
तथा
मैत्रेय कॉलेज ऑफ एजुकेशन एण्ड मैनेजमेंट
(आर्यभट्ट ज्ञान विश्वविद्यालय, पटना से संबद्ध)
के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित
दो दिवसीय संगोष्ठी
भारतीय भाषाओं में विद्यालयी शिक्षा तथा बहुभाषी शिक्षक का निर्माण
13-14 नवम्बर, 2022

प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि **अभय कुमार सिंह**
..... **MCEM, Hajipur** ने
दिनांक 13 एवं 14 नवम्बर, 2022 को आयोजित भारतीय भाषाओं में विद्यालयी शिक्षा तथा
बहुभाषी शिक्षक का निर्माण विषयक सांगोष्ठी में **बहुभाषी शिक्षण-अधिगम के**
..... लिए शिक्षकों की तैयारी शीर्षक शोध आलेख प्रस्तुत किया।


डॉ. चंदन श्रीवास्तव
शैक्षिक समन्वयक
भारतीय भाषा समिति


Ashay Kumar Singh
24-11-2022


19.11.2022
प्रो. ज्ञानदेव मणि त्रिपाठी
कार्यक्रम समन्वयक एवं प्राचार्य
एम.सी.ई.एम.

आयोजन स्थल :- मैत्रेय कॉलेज ऑफ एजुकेशन एण्ड मैनेजमेंट, हाजीपुर



MCEM-BSS/SEMR/२१/2022



भारतीय भाषा समिति
(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार)
तथा
मैत्रेय कॉलेज ऑफ एजुकेशन एण्ड मैनेजमेंट
(आर्यभट्ट ज्ञान विश्वविद्यालय, पटना से संबद्ध)
के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित

दो दिवसीय संगोष्ठी

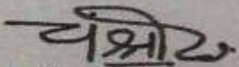
भारतीय भाषाओं में विद्यालयी शिक्षा तथा बहुभाषी शिक्षक का निर्माण
13-14 नवम्बर, 2022

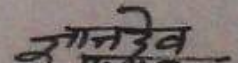
प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि **आनन्द प्रकाश**

M.C.E.M., Hajipur

ने दिनांक 13 एवं 14 नवम्बर, 2022 को आयोजित भारतीय भाषाओं में विद्यालयी शिक्षा तथा बहुभाषी शिक्षक का निर्माण विषयक संगोष्ठी में **राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और भारतीय भाषाएँ** शीर्षक शोध मातेस प्रस्तुत किया।


डॉ. चंदन श्रीवास्तव
शैक्षिक सहायक
भारतीय भाषा समिति


19.11.2022
प्रो. जगदेव गणि त्रिपाठी
कार्यक्रम सहायक एवं प्राचार्य
एम.सी.ई.एम.

आयोजन स्थल :- मैत्रेय कॉलेज ऑफ एजुकेशन एण्ड मैनेजमेंट, हाजीपुर



MCEM-BSS/SEMR/54/2022



भारतीय भाषा समिति
(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार)
तथा
मैत्रेय कॉलेज ऑफ एजुकेशन एण्ड मैनेजमेंट
(आर्यभट्ट ज्ञान विश्वविद्यालय, पटना से संबद्ध)
के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित

दो दिवसीय संगोष्ठी

भारतीय भाषाओं में विद्यालयी शिक्षा तथा बहुभाषी शिक्षक का निर्माण
13-14 नवम्बर, 2022

प्रमाण पत्र

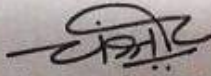
प्रमाणित किया जाता है कि अश्विनी कुमार मिश्रा

MCEM, Hajipur..... ने

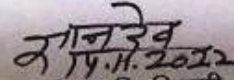
दिनांक 13 एवं 14 नवम्बर, 2022 को आयोजित भारतीय भाषाओं में विद्यालयी शिक्षा तथा
बहुभाषी शिक्षक का निर्माण विषयक संगोष्ठी में राबट्टीय शिक्षा नीति 2020

और भारतीय भाषाएँ

..... शीर्षक शोध आलेख प्रस्तुत किया।



डॉ. चंदन श्रीवास्तव
शैक्षिक समन्वयक
भारतीय भाषा समिति



प्रो. ज्ञानदेव मणि मिश्रा
कार्यक्रम समन्वयक एवं प्राचार्य
एम.सी.ई.एम.

आयोजन स्थल :- मैत्रेय कॉलेज ऑफ एजुकेशन एण्ड मैनेजमेंट, हाजीपुर



Maitreya College of Education & Management

Shaping Education

Affiliated to Aryabhata Knowledge University, Patna

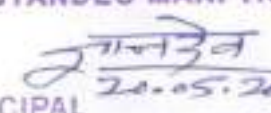




Maitreya College of Education & Management Shaping Education

Affiliated to Aryabhata Knowledge University, Patna



DR. GYANDEO MANI TRIPATHI

20.05.2023
PRINCIPAL
MAITREYA COLLEGE OF EDUCATION
MANAGEMENT HAJIPUR, BIHAR

Signature